Ans. (d) सही सुमेलन है।		
गारनेट (तामड़ा)		राजमहल (टोंक)
पन्ना		राजगढ़, बुबानी (अजमेर)
धीया पत्थर		ऋषभदेव, उदयपुर, भीलवाड़ा, जयपुर, दौसा
रॉक फास्फेट		उदयपुर, जैसलमेर

1027. राजस्थान भारत में किस बहुमूल्य पत्थर के उत्पादन में एकाधिकार रखता है?

(a) तामड़ा (b) पन्ना
(c) हीरा (d) उपर्युक्त सभी में

RPSC-2011

Ans. (b) : राजस्थान खनिज की दृष्टि से एक सम्पन्न राज्य है। राजस्थान को ''खनिजों का अजायबघर'' कहा जाता है। राजस्थान में पन्ना नामक बहुमूल्य पत्थर के उत्पादन में एकाधिकार रखता है। पन्ना, बेरिल नामक खनिज का एक प्रकार है जो हरे रंग का होता है। जिसे क्रोमियम और कभी-कभी वैनेडियम की मात्रा से पहचाना जाता है। पन्ना राजस्थान के जयपुर, उदयपुर राजसमंद और अजमेर में पाया जाता है।

1028. इनमें से कौन-सा राजस्थान का प्रमुख जिप्सम उत्पादक क्षेत्र है?

(a) बीकानेर- गंगानगर- हनुमानगढ़ क्षेत्र
(b) जौधपुर- बीकानेर- बाड़मेर क्षेत्र
(c) चूरू- झुन्झुनू- सीकर क्षेत्र
(d) जैसलमेर- बाड़मेर- जौधपुर क्षेत्र

RPSC-2011

Ans. (a) : राजस्थान जिप्सम उत्पादक क्षेत्र में भारत का अग्रणी राज्य है। जिप्सम राजस्थान मे मुख्यतः बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ क्षेत्र के साथ-साथ नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर और जालौर जिलों में पाया जाता है। राजस्थान के बीकानेर जिले में जिप्म की सर्वाधिक मात्रा है। राजस्थान भारत के कुल जिप्सम उत्पादन का 90प्रतिशत अकेले उत्पादित करना है।

जिप्सम, कैल्शियम का एक हाइड्रेटेड सल्फेट है। इसका उपयोग मुख्य रूप से अमोनियम सल्फेट उर्वरक बनाने और सीमेंट उद्योग में किया जाता है।

1029. इनमें से कौन सा राजस्थान का टंगस्टन उत्पादक क्षेत्र है?

(a) राजमहल (b) गोगुन्दा
(c) डेगाना (d) जावर

RPSC-2011

Ans. (c) : राजस्थान राज्य में टंगस्टन अयस्क के लगभग 23.92 मिलियन टन संसाधन है। जो देश के कुल संसाधनों का लगभग 27प्रतिशत है। राजस्थान में टंगस्टन का भंडार मुख्यतः नागौर जिले में मौजूद है। डेगाना, नागौर जिले के अर्न्तगत सर्वाधिक टंगस्टन उत्पादक क्षेत्र है। यह राजस्थान के नागौर- डेगाना, सिरोही- बलदा, उडूवरिया, पाली- अलनियावास-सेवारिया, पिपलिया, मोतिया आदि क्षेत्रों में मौजूद है। टंगस्टन का अयस्क वोल्फ्रामाइट है। टंगस्टन का उपयोग प्रकाश बल्बों और कैथोड़ किरण नालिका में तंतुओं के रूप में किया जाता है।

1030. हाल ही में राजस्थान के किन जिलों में पोटाश के अकूत भण्डार मिले हैं?

(a) श्री गंगानगर, बीकानेर, नागौर, झालावाड़
(b) श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, बारां
(c) बीकानेर, चुरू, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़
(d) बीकानेर, बूंदी, भरतपुर, भीलवाड़ा

RPSC ST-81 G.K. & Horticulture 28-10-2018

Ans. (c) : राजस्थान राज्य के बीकानेर, चुरू, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ जिलों में पोटाश के अकूत भण्डार मिले हैं। इन भण्डारों के दोहन के लिए ''सोल्यूशन माइनिंग तकनीक'' का प्रयोग देश में पहली बार किया जाएगा।

1031. भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राज्य के किन दो जिलों में स्वर्ण भण्डार होने का अनुमान हाल ही में व्यक्त किया है?

(a) उदयपुर तथा बांसवाड़ा (b) बांसबाड़ा तथा डूंगरपुर
(c) भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ (d) चित्तौड़गढ़ तथा सिरोही

RPSC ST-81 G.K. & Horticulture 28-10-2018

Ans. (a) : भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राजस्थान के दो जिलों ''उदयपुर तथा बांसवाड़ा'' में स्वर्ण भण्डार होने का अनुमान व्यक्त किया है। इस भण्डार का पृथ्वी की सतह से लगभग 300 फीट नीचे होने का अनुमान है।

भारत में कर्नाटक सबसे बड़ा और आंध्र प्रदेश दूसरा बड़ा स्वर्ण उत्पादक राज्य है।

1032. गलत युग्म को चुनिए?

खनिज		**खान**
(1) चूना पत्थर	–	कनोई
(2) मैग्नेसाइट	–	सेन्ड्रा
(3) पन्ना	–	काला गुमान
(4) बेंटोनाइट	–	राजगढ़

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

RPSC Gen. Awareness and Gen Studies-2018

Ans. (d) : खनिज और खान का सही सुमेलन निम्न है।

(खनिज)		**(खान)**
चूना पत्थर	–	कनोई
मैग्नेसाइट	–	सेंड्रा
पन्ना	–	कालागुमान
बेंटोनाइट	–	बाड़मेर

बाड़मेर, बीकानेर तथा सवाई माधोपुर राजस्थान के प्रमुख बेन्टोनाइट उत्पादक क्षेत्र हैं।

1033. आनन्दपुर भूकिया और तिमारन माता प्रसिद्ध है–

(a) यूरेनियम निक्षेपों हेतु
(b) सीसा एवं जस्ता के निक्षेपों हेतु
(c) स्वर्ण निक्षेपों हेतु
(d) एस्बेस्टस के निक्षेपों हेतु

वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I